मिसाल-बेमिसाल

नवाचार बना पुनर्जीवन का आधार

नवाचार अपनाने में जोखिम अधिक होने के बावजूद नया करने का जज्बा हो तो फिर कठिनाइयां आती है तो वे भी स्वतः ही दूर होती जाती है। बीकानेर की दन्तौर क्रय-विक्रय सहकारी समिति की कहानी भी कुछ इसी तरह की है। मण्डी पास में नहीं होने से समिति के कारोबार में अपेक्षाकृत बढ़ोतरी नहीं होने और घाटे के कारण बंद होने के कगार पर पहुंचने से पहले ही समवत व नए सोच के संचालक मण्डल के समग्र प्रयासों से समिति ने न केवल नया काम शुरु किया अपितु अन्य समितियों के लिए मिसाल प्रस्तुत की है।

सीमेंट कारोबार से लिखी विकास की इबारत

निरन्तर घाटे में चल रही बीकानेर क्षेत्र की दन्तौर क्रय-विक्रय सहकारी समिति ने नवाचार अपनाकर समिति को नया जीवन प्रदान किया है। बीकानेर जिले कि खाजूवाला पंचायत समिति के नहरी क्षेत्र में तीन क्रय-विक्रय सहकारी समितियां खाजूवाला, पूंगल व दन्तौर है। दन्तौर क्षेत्र दूरस्थ होने तथा क्षेत्र की मण्डी निकट नहीं होने कारण समिति निरन्तर घाटे में चल रही थी, समिति को व्यावसायिक वृद्धि हेतु निर्देश भी दिए गए परन्तु समिति के पास सार्वजनिक वितरण का व्यवसाय भी नहीं था। समिति मात्र खाद-बीज का ही व्यवसाय कर रही थी। अतः क्षेत्र की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए पशु आहार, सीमेंट, पाईप लाईन तथा फव्वारा आदि का व्यवसाय करने का निर्णय लिया। समिति के चेयरमेन श्री नजर हुसैन खान ने जब इस संदर्भ में सीमेंट कंपनी से बात की तब बिड़ला सीमेंट चित्तोड़गढ़ के क्षेत्रीय अधिकारी श्री एस.के. मेहता ने अपने उत्पाद को सहकारिता से जोड़ने का निर्णय लिया। इस प्रकार नए कार्य का प्रारम्भ हुआ, समिति ने बिड़ला सीमेंट की दन्तौर क्षेत्र के डिस्टीब्यूटरशीप प्राप्त कर सीमेन्ट वितरण का कार्य प्रारम्भ किया। समिति ने अक्टूबर में पहली गाड़ी 35 टन सीमेंट मंगवाई जिसे बेचने में करीब 4 महीने लगे। परन्तु उसके बाद समिति का कारोबार स्थापित हो गया एवं फरवरी में समिति ने करीब 85 टन सीमेन्ट का व्यवसाय किया, साथ ही दरों में भी स्थानीय व्यापारियों से प्रतिस्पर्धा की जिसके कारण स्थानीय लोग आकर सीमेंट खरीद रहे है।

समिति व्यवस्थापक का कहना है कि यदि स्थानीय पंचायतें एवं राजकीय अनुदानित योजना में डिग्गी आदि निर्माण कार्यों के लिए समिति से सीमेंट क्रय की जावे तो समिति का व्यापार भी बढ़ेगा और निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी ठीक रहेगी। जिले की सहकारी संस्थाओं द्वारा कराए जाने वाले निर्माण कार्यों के लिए सीमेंट की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर कराया जाना चाहिए। इसके लिए जिले की सहकारी संस्थाओं व इकाई कार्यालय को आगे आना होगा। नवाचार कार्यों को प्रोत्साहित करना सहकारिता से जुड़े हम सभी का होना चाहिए।